

UP Board Notes Class 7 Hindi Chapter 4 महर्षि वाल्मीकि (महान व्यक्तित्व)

पाठ का सारांश

रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि का जन्म हजारों वर्ष पहले हुआ। इनके बचपन का नाम रत्नाकर था। ईश्वरीय प्रेरणा से ये संसार छोड़कर भक्ति में लग गए। तपस्या करते समय दीमक ने इनके शरीर पर बाँबी (वल्मीक) बना ली जिससे इनका नाम वाल्मीकि पड़ा।

तमसा नदी के तट पर स्थित आश्रम में उन्होंने संस्कृत में अपने प्रसिद्ध ग्रन्थ रामायण की रचना की। इसमें सात खण्ड हैं। वाल्मीकि को संस्कृत साहित्य का आदिकवि कहा जाता है। रामायण में राम के चरित्र, उस समय के समाज की स्थिति, सभ्यता, व्यवस्था और लोगों के रहन-सहन का वर्णन है। यह त्रेता युग का ऐतिहासिक ग्रन्थ है।

महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही लव-कुश का जन्म हुआ था। वाल्मीकि ने उन्हें छोटी अवस्था में ही ज्ञानी और युद्ध कला में पारंगत बना दिया था। लव-कुश ने महर्षि के आश्रम में पहुँचे हुए राम के अश्वमेध यज्ञ वाले घोड़े को पकड़ लिया था एवं राम की सेना को पराजित कर अपने युद्ध कौशल और पराक्रम का परिचय दिया था।

महर्षि वाल्मीकि कवि, शिक्षक और ज्ञानी थे। इनका ग्रन्थ रामायण भारत का ही नहीं, वरन् सारे संसार की अनमोल कृति है। इस श्रेष्ठ महाकाव्य रामायण की रचना नीति, शिक्षा और दूरदर्शिता के कारण वाल्मीकि को आज भी आदर और सम्मान से याद किया जाता है।